हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

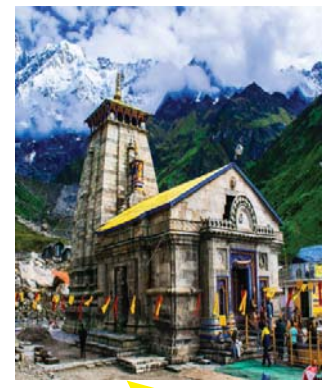

वर्ष:4 | अंक:247 | पृष्ठ:08 | मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, गुरूवार, 11 सितंबर 2025

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की कैबिनेट ने प्रदेश हित में किए कई अहम निर्णय

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में बुधवार को कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। ये फैसले राज्य के पशुपालन, परिवहन, आवास और न्याय व्यवस्था से जुड़े हुए हैं।

पशुपालन विभाग

राज्य के 9 पर्वतीय जनपदों – अल्मोड़ा, चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, चम्पावत, पौड़ी, बागेश्वर, टिहरी और रुद्रप्रयाग – के कुक्कुट पालकों के लिए कुक्कुट आहार सब्सिडी योजना लागू की जाएगी। वर्ष 2025-26 में ब्रायलर फार्म योजना के अंतर्गत 816 तथा कुक्कुट कैली स्थापना योजना के अंतर्गत 781 लाभार्थियों को फायदा मिलेगा। इसके लिए कुल 2,83,85,000 (दो करोड़ तिरासी लाख पिच्चासी हजार रुपये) का प्रावधान किया गया है।

परिवहन विभाग

देहरादून में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए देहरादून सिटी ट्रांसपोर्ट लिमिटेड नामक विशेष प्रयोजन वाहन (SPV) का गठन होगा।

यह इकाई स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ई-बस सेवा, प्रधानमंत्री ई-बस योजना और नगर बस सेवा को व्यवस्थित तरीके से संचालित करेगी।

आवास विभाग

जनपद ऊधमसिंहनगर के ग्राम फाजलपुर महरौला (तहसील रुद्रपुर) की 9.918 हेक्टेयर भूमि को वर्तमान सर्किल रेट पर जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण के पक्ष में नियोजित कॉलोनियों और व्यावसायिक निर्माण हेतु आवंटित करने का निर्णय हुआ।

न्याय अनुभाग

महाधिवक्ता कार्यालय, उच्च न्यायालय नैनीताल में वरिष्ठ प्रमुख निजी सचिव (वेतनमान 1,23,100-2,15,900, लेवल-13, ग्रेड पे 8700) का एक पद सृजित किया जाएगा। इसके साथ ही आशुलिपिक (वेतनमान 29,200-92,300, लेवल-05) का एक पद समर्पित किया जाएगा।

अन्य निर्णय

कैबिनेट ने उत्तराखंड सेवा का अधिकार का नवम वार्षिक प्रतिवेदन 2023-24 विधानसभा पटल पर प्रस्तुत किए जाने को भी मंजूरी दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज करेंगे उत्तराखंड के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण

पथ प्रवाह, देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को उत्तराखंड के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे और राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा बैठक करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अधिकारियों को सभी तैयारियां समयबद्ध और व्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड से विशेष लगाव है। आपदा के इस कठिन समय में लगातार उनका सहयोग और मार्गदर्शन राज्य को मिलता रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराखंड आगमन से राहत एवं बचाव कार्यों को और गति मिलेगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान पर पीएम मोदी का रिएक्शन

मैं ट्रंप से बातचीत के लिए उत्सुक

नई दिल्ली। अमेरिका और भारत के संबंधों में हाल के महीनों में टैरिफ की वजह से तनावपूर्ण स्थिति देखने को मिली है. इस समस्या को दूर करने लिए दोनों देश लगातार व्यापार संबंधित मुद्दों पर बातचीत कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कोई नतीजा सामने नहीं निकला है. हालांकि, इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (9 सितंबर 2025) को सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर लिखा, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अगले हफ्ते बिजनेस के सिलसिले में बात करेंगे. इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर डोनाल्ड ट्रंप के बयान को लेकर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने लिखा, %%भारत और अमेरिका घनिष्ठ मित्र और स्वाभाविक साझेदार हैं. मुझे विश्वास है कि हमारी व्यापार से संबंधित बातचीत भारत-अमेरिका साझेदारी की असीम संभावनाओं को उजागर करने का रास्ता खोलेगी.

हमारी टीम इन चर्चाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए काम कर रही हैं. मैं राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत के लिए भी उत्सुक हूं. हम दोनों देशों के लोगों के लिए एक उज्जवल और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करेंगे. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड कहा, उन्हें पूरा विश्वास है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता के सफल निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई मुश्किल नहीं होगी. वह जल्द ही अपने अच्छे दोस्त प्रधानमंत्री नरेंद मोदी से बात करेंगे. इसे भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति ने मंगलवार को ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, उन्हें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते में जो बाधाएं हैं, उन्हें दूर करने के लिए बातचीत जारी है.

भारत पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत

ट्रंप ने कहा कि मैं आने वाले हफ्तों में अपने सबसे अच्छे दोस्त प्रधानमंत्री मोदी से बात करने के लिए उत्सुक हूं.

मुझे भरोसा है कि हमारे दोनों देशों के बीच बातचीत ठीक से पूरी हो जाएगी और इसमें कोई मुश्किल नहीं आएगी. ट्रंप की यह टिप्पणी द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण सुधार का संकेत देती है.

अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाए जाने और भारत के रूस से तेल खरीदने को लेकर दोनों देशों के बीच संबंध दो दशकों में संभवतः सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं.

हमें अपने संविधान पर गर्व है, पड़ोस के हालात देखिए: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक केस की सुनवाई के दौरान नेपाल और बांग्लादेश में हुए तख्तापलट और हिंसक आंदोलन का जिक्र किया है। अदालत ने कहा कि हमें अपने संविधान पर गर्व है। आप देखिए कि पड़ोसी देशों नेपाल और बांग्लादेश में कैसे हालात बने हैं। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने यह टिप्पणी राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए बिल पास करने पर टाइमलाइन तय किए जाने को लेकर की। इस मामले में राष्ट्रपति की ओर से रेफरेंस दाखिल किया गया है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है और कई दिनों से लंबी बहस जारी है।

आज एक बार फिर से इस मामले में दिलचस्प बहस देखने को मिली। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने राज्यपालों की ओर से विधेयक रोके जाने की जानकारी दी तो वहीं कपिल सिब्बल ने कहा कि 2014 के बाद ऐसे मामले बढ़ गए हैं और उससे पहले ऐसा होता ही नहीं था। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मैं तो आपकी सरकार की भी तारीफ कर रहा हूं। 1970 के बाद से अब तक डेटा मैंने पेश किया है। इस पर कपिल सिब्बल ने कहा कि आपको तारीफ करनी ही चाहिए क्योंकि 2014 से पहले ऐसा हुआ भी नहीं था। इस पर मेहता ने कहा कि मैंने तो सटीक डेटा दिया है कि कैसे संविधान काम करता है। इस दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने यह भी कहा कि हम पहले ही कह चुके हैं कि राज्यपाल केंद्र सरकार का एजेंट नहीं होता है। वह एक न्यूट्रल संवैधानिक पदाधिकारी होता है, जो निष्पक्ष होकर ही काम करता है। वह संविधान के अनुसार ही काम करता है और उसके अनुसार फैसले लेने में राज्य सरकार को मदद करता है। वह राज्य सरकार और केंद्र के बीच किसी भी तरह के मतभेद में अहम भूमिका अदा करता है। उन्होंने कहा कि इस बात का तो कोई सवाल ही नहीं है कि गवर्नर केंद्र सरकार के डाकिया के तौर पर काम कर करता है। राज्यपालों से यह अपेक्षा नहीं की जाती है कि वे राज्य सरकार की नीतियों को लागू करें या फिर पॉपुलर मैंडेट के अनुसार काम करें। संविधान में राज्यपाल का रोल स्पष्ट तौर पर बताया गया है और वह राजनीतिक तौर पर भी अपनी बात रखते सकते हैं।

नेपाल के बाद फ्रांस में बवाल, सड़कों पर उतरे सैकड़ों लोग, कई जगहों पर आगजनी और तोड़फोड़

नई दिल्ली। नेपाल के बाद अब फ्रांस में बवाल मच गया है. लोग सैकड़ों की संख्या में सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं. राजधानी पेरिस में बुधवार (10 सितंबर) को आगजनी और तोड़फोड़ की कई घटनाएं हुईं. रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक फ्रांस में प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कर दीं. कचरे के डिब्बे जलाए और पुलिस के साथ झड़प भी की.

दरअसल फ्रांस के लोग राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के खिलाफ प्रदर्शन के लिए सड़क पर उतरे हैं. प्रदर्शनकारियों

का कहना है कि मैक्रों सरकार ने उनके लिए कोई काम नहीं किया. लोग जीवनस्तर में सुधार को लेकर सरकार से उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन खराब वित्तीय प्रबंधन स्थिति बिगाड़ कर रहा है. लोग प्रस्तावित बजट कटौती की वजह से भी गुस्से में हैं.

दर्जनों प्रदर्शनकारियों को किया गया गिरफ्तार

रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा बलों को देश भर में तैनात कर दिया गया है. प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को जाम कर दिया है. हालांकि, फ्रांस अभी तक पूरी तरह बंद नहीं है. सुरक्षा बलों की तैनाती के बाद दर्जनों प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है. इस दौरान पुलिस के साथ प्रदर्शनकारियों की झड़प भी हुई है.

अवैध खनन पर सख्ती: हरिद्वार में तीन स्टोन क्रेशर सीज

पथ प्रवाह, हरिद्वार

शासन के निर्देशों के अनुपालन में अवैध खनन पर नकेल कसते हुए खनन विभाग ने बड़ी कार्यवाही अंजाम दी है। विभागीय टीम ने औचक निरीक्षण के दौरान तीन स्टोन क्रेशरों को मौके पर सीज कर उनकी ई-रवन्ना आईडी अस्थाई रूप से निलंबित कर दी है।

जिला खनन अधिकारी हरिद्वार मोहम्मद काजिम रजा ने जानकारी दी कि शासन ने अवैध खनन पर रोकथाम को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। इन्हीं निर्देशों के तहत जनपद में किसी भी स्तर पर अवैध खनन पाए जाने पर कठोर कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि तहसील लक्सर के ग्राम नेहन्दपुर और ग्राम महतौली में अवैध खनन की शिकायतें दूरभाष पर प्राप्त हुई थीं। इन शिकायतों की पुष्टि के लिए भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की टीम द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में ग्राम नेहन्दपुर स्थित मै0 लिमरा स्टोन क्रेशर, ग्राम महतौली स्थित मै0 दून स्टोन क्रेशर और श्री साईं स्टॉक पर अवैध खनन की गतिविधियां पाई गईं।

निरीक्षण के दौरान पैमाइश की गई और मौके पर ही तीनों स्टोन क्रेशरों को सीज कर दिया गया। साथ ही उनकी ई-रवन्ना आईडी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। खनन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन करने वालों के विरुद्ध आगे भी कठोर कार्यवाही जारी रहेगी।

सीडीओ आकांक्षा कोण्डे के निर्देश: बेरोजगार युवाओं, किसानों और कमजोर वर्ग को तुरंत बैंक ऋण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी और प्रशासक आकांक्षा कोंडे ने जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक में बैंक प्रबंधकों को निर्देश दिए कि पात्र आवेदनों को शीर्ष प्राथमिकता से लोन मंजूर किए जाए। हरिद्वार जनपद के बेरोजगार युवाओं, किसानों और कमजोर वर्ग के लोगों को अब स्वरोजगार योजनाओं के तहत बैंक ऋण तेजी से उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे ने कहा कि कई बैंक शाखाओं द्वारा बिना कारण आवेदन पत्र लौटाना सही नहीं है। ऐसे मामलों में संबंधित शाखाओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। सभी पेंशनरों और छात्रवृत्ति पाने वाले छात्रों के खातों को आधार से लिंक किया जाएगा, ताकि लाभार्थियों को समय पर लाभ मिल सके। मुख्य विकास अधिकारी ने 40 प्रतिशत से कम ऋण जमा अनुपात वाली शाखाओं को अधिक से अधिक ऋण वितरित करने के निर्देश दिए, ताकि सीडी रेशियो 40 प्रतिशत से ऊपर लाया जा सके।

डेटा में गड़बड़ी पर सख्त हिदायत

सभी विभागों और बैंक प्रबंधकों को चेताया गया कि वेबसाइट पर अपलोड किए जाने वाले डेटा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या भिन्नता न हो।

बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक दिनेश गुप्ता, महाप्रबंधक उद्योग उत्तम कुमार तिवारी, जिला परियोजना प्रबंधक संजय सक्सेना, जिला कृषि अधिकारी गोपाल सिंह भंडारी, जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. डी.के. चंद समेत बैंकर्स और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राजीव भट्ट बने जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, देहरादून

उत्तराखण्ड खादी ग्रामोद्योग बोर्ड ने सौंपा अतिरिक्त दायित्व

पथ प्रवाह, संवाददाता उत्तराखण्ड खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के आदेशानुसार राजीव भट्ट को जिला ग्रामोद्योग अधिकारी देहरादून की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। अब वे हरिद्वार के साथ-साथ देहरादून जनपद के दायित्वों का निर्वाहन करेंगे।

श्री भट्ट इससे पहले चमोली और टिहरी जनपद में भी तैनात रहे हैं और अपनी ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा के लिए जाने जाते हैं। राजीव भट्ट हमेशा जनता की सेवा में संजीदा रहते हैं और अपने क्षेत्र में विकास कार्यों की गति बढ़ाने में तत्पर रहते हैं।

जिम्मेदारी और उद्देश्य

इस नियुक्ति के साथ, श्री भट्ट दोनों जिलों में ग्रामोद्योग से जुड़े कार्यों का बेहतर क्रियान्वयन करेंगे। उनके दिशा-निर्देशों में स्थानीय कुटीर उद्योगों और खादी उत्पादन को बढ़ावा देना, आधुनिक तकनीक का उपयोग कर उत्पादकता बढ़ाना, और जनता को रोजगार के अवसर देना शामिल है।

अधिकारियों की मौजूदगी

यह आदेश मुख्य कार्यपालक अधिकारी देव कृष्ण तिवारी के हस्ताक्षर से जारी किया गया। नियुक्ति की प्रक्रिया में खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी और क्षेत्रीय प्रबंधन टीम ने भाग लिया।

जनता को मिलेगा लाभ

विशेषज्ञ मानते हैं कि श्री भट्ट की नियुक्ति से दोनों जिलों में ग्रामोद्योग योजनाओं की गति बढ़ेगी, स्थानीय कारीगरों और छोटे उद्योगों को नए अवसर मिलेंगे, और जनता की अपेक्षाएँ बेहतर तरीके से पूरी होंगी।

राजकीय शिक्षक संघ ने दी मुख्यमंत्री आवास एवं सचिवालय घेराव की चेतावनी

पदोन्नति, प्रधानाचार्य की सीधी भर्ती निरस्त करने एवं स्थानांतरण की प्रक्रिया प्रारंभ किए जाने की है मांग

देहरादून। राजकीय शिक्षक संघ उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष राम सिंह चैहान ने चेतावनी देते हुए कहा है कि पदोन्नति, प्रधानाचार्य की सीधी भर्ती निरस्त करने एवं स्थानांतरण की प्रक्रिया प्रारंभ किए जाने की मांग को लेकर राजकीय शिक्षक अब मुख्यमंत्री आवास एवं सचिवालय का घेराव करेंगें। यहां परेड ग्राउंड स्थित उत्तरांचल प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि लंबे समय से आंदोलनरत रहने के बाद भी आज तक उनकी इन मांगों पर सरकार व विभाग कोई ध्यान नहीं दे रहा है वहीं विभागीय मंत्री लगातार कोरे आश्वासन देते हुए आ रहे है। उन्होंने कहा कि यहां तक सरकार न्यायालय के आदेश का भी उल्लंघन कर रहा है और न्यायालय ने इस मामले को लेकर सरकार से नब्बे दिन के भीतर हल करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि लेकिन सरकार व विभागीय मंत्री ने इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा निदेशालयों का प्रदेश में कोई औचित्य नहीं है क्योंकि यह ऐशगाह बनकर रह गये है और निदेशालय को शासन के अधीन कर दिया जाना चाहिए और निदेशकों, सहायक निदेशकों आदि की फौज का भी राज्य में कोई औचित्य नहीं है। चैहान ने कहा कि विभाग के आठ निदेशक बदलने से शिक्षा की क्या स्थिति होगी यह किसी से छिपी हुई नहीं है। छात्रों की घटती संख्या पर केवल शिक्षकों को दोषी मान लिया जाता है, विभाग कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है यह भी सोचनीय विषय है। उन्होंने कहा कि सरकार को चेताने के लिए हरिद्वार में सरकार की सदबुद्धि के लिए पितृपक्ष के दौरान अवकाश के दिन तर्पण दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में अधिकारियों की फौज खड़ी हो गई है और वह सभी बेलगाम हो गये है। विभागीय मंत्री को लगातार गुमराह कर रहे है शिक्षक संघ के पदाधिकारियों को न तो मुख्यमंत्री से मिलने दिया जा रहा है और विभागीय मंत्री से भी मिलने नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षक चरणबद्ध तरीके से अपना आंदोलन चलायेंगे।

एक नजर

जगजीतपुर में प्रस्तावित रोडवेज बस स्टैंड के लिए भूमि का चयन, निर्माण की दिशा में बढ़ा कदम

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार जिले में यातायात सुविधा को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक और अहम पहल हुई है। उत्तराखण्ड परिवहन निगम द्वारा जगजीतपुर क्षेत्र में प्रस्तावित रोडवेज बस स्टेशन के लिए आगमन कक्षों के निर्माण हेतु भूमि का चयन कर लिया गया है। परिवहन निगम की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि कुंभ मेला अधिकारी, हरिद्वार द्वारा जगजीतपुर में प्रस्तावित बस स्टेशन के आगमन कक्षों के निर्माण की अनुमति प्रदान कर दी गई है। इस संबंध में ग्रामीण निर्माण विभाग को शीघ्र ही कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। परिवहन निगम के सहायक महाप्रबंधक, हरिद्वार ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि ग्रामीण निर्माण विभाग प्रस्तावित भूमि का मुआयना कर जल्द से जल्द आगमन कक्ष का निर्माण कार्य प्रारंभ करने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करे। इस निर्णय से जगजीतपुर क्षेत्र में बस स्टेशन निर्माण की दिशा में एक ठोस कदम आगे बढ़ा है। स्थानीय जनता को उम्मीद है कि इस परियोजना के पूरा होने से न केवल यातायात का दबाव कम होगा, बल्कि हरिद्वार आने-जाने वाले यात्रियों को भी बड़ी राहत मिलेगी।

मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोंडे ने जिला सहकारी बैंक की प्रशासनिक समिति की बैठक सम्पन्न

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जिला सहकारी बैंक लिमिटेड हरिद्वार की प्रशासनिक समिति की महत्वपूर्ण बैठक आज मुख्य विकास अधिकारी एवं प्रशासक आकांक्षा कोंडे की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में बैंक की वित्तीय स्थिति, ऋण वसूली, शाखा-वार कार्यप्रणाली और भविष्य की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में 31 अगस्त 2025 तक की एनपीए वसूली, फसली और कृषि ऋणों की वसूली एवं वितरण का आकलन किया गया। साथ ही बैंक को और अधिक आधुनिक बनाने के लिए कोर बैंकिंग सॉल्यूशन सॉफ्टवेयर की यूजर एक्सेप्टेंस टेस्टिंग तथा माइक्रो-एटीएम आधारित बैंक मित्र पॉलिसी को हरी झंडी दी गई। प्रशासनिक समिति ने भारतीय रिज़र्व बैंक और नाबार्ड की गाइडलाइंस के अनुपालन पर विशेष जोर देते हुए मानव संसाधन नीति और संशोधित जोखिम प्रबंधन नीति लागू करने का निर्णय लिया। इसके साथ ही, शाखा-वार ऋण वितरण एवं जमा वृद्धि की समीक्षा की गई और वित्तीय वर्ष 2024-25 की ऑडिट परीक्षा रिपोर्ट के प्रकाशन को अनुमोदन प्रदान किया गया। बैठक के समापन पर मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोंडे ने कहा कि किसानों को समयबद्ध और लक्ष्यानुसार ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराना बैंक की प्राथमिकता है। उन्होंने बैंक प्रबंधन को ऋण वसूली की गति तेज करने और ग्राहकों को बेहतर तकनीकी सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। बैठक में बैंक की सचिव/महाप्रबंधक वंदना लखेड़ा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

शिविर में छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

देहरादून। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के आदेश के अनुसार एवं सचिव जिला विधिक अपराधीकरण देहरादून के निर्देशन में प्राविधिक कार्यकर्ता उमेश्वर सिंह रावत ने स्थानीय केंद्रीय विद्यालय बीरपुर में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत एक जागरूकता शिविर आयोजित कर छात्र छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का काम किया। इस अवसर पर शिविर के मुख्य अतिथि परिवहन विभाग के परिवहन कर अधिकारी एमडी पपनोई रहे और उन्होंने छात्र-छात्राओं को आह्वान किया है कि हमारे देश में प्रतिवर्ष डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मृत्यु सड़क सुरक्षा के नियम पालन न करने पर होती है। तथा इस संख्या में सर्वाधिक 18 वर्ष से 45 वर्ष तक के आयु वर्ग के युवा होते हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं का आह्वान करते हुए कहा कि जब सभी छात्र छात्रायें देश के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर जाओगे और अगर किसी की सड़क दुर्घटना में कोई अंग भंग हो जाता है या ब्रेन हेमरेज हो जाता है तो देश के एक होनहार युवा को खो देते हैं और हमें सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई जरूरी नहीं है कि आपकी स्पीड ज्यादा होगी और तभी आपका एक्सीडेंट हो सकता है कभी-कभी कम स्पीड में भी सड़क दुर्घटना हो सकती है। इस अवसर पर यातायात निरीक्षक जितेंद्र जोशी ने छात्र-छात्राओं ने कहा कि जब भी घर से टूव्हीलर से निकले हेलमेट लगाकर निकले तथा फोर व्हीलर में सीट बेल्ट अवश्य लगाए एवं सड़क पर ट्रैफिक सिग्नल्स का पालन करें। इस दौरान प्राविधिक कार्यकर्ता उमेश्वर सिंह रावत ने छात्र छात्राओं से कहा कि सड़क पर यदि आप चल रहे हो और किसी का आपके सामने सड़क पर दुर्घटना होती है तो नेक राहगीर होने के नाते आप दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को हॉस्पिटल अवश्य ले जाए इस कार्य के लिए परिवहन तथा पुलिस विभाग से नेक राहगीर का सम्मान भी मिल सकता है।

डीएम मयूर दीक्षित के निर्देशों पर हरिद्वार में फुटपाथ सुव्यवस्थित अभियान शुरू

पथ प्रवाह, हरिद्वार

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशों पर हरिद्वार नगर निगम और जिला प्रशासन ने शहर में फुटपाथ सुव्यवस्थित अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान का उद्देश्य आमजन और श्रद्धालुओं को फुटपाथ पर चलने में किसी भी तरह की दिक्कत से बचाना और यातायात जाम की समस्या को दूर करना है। यह विशेष अभियान भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी की जयंती के अवसर पर प्रारंभ किया गया।

नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान ने बताया कि अभियान के तहत नगर निगम, प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने देवपुरा चौक से रानीपुर मोड़ तक कार्रवाई की। व्यापारियों से कहा गया है कि वे अपने प्रतिष्ठानों के आगे फुटपाथ पर रखे सामान को सुव्यवस्थित ढंग से रखें और सड़क या फुटपाथ खाली करें।

आम जनता और वाहनों की आवाजाही में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए सभी को प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई है। नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान ने कहा कि यदि किसी व्यापारी द्वारा निर्देशों का पालन नहीं किया गया और फुटपाथ अथवा सड़क पर सामान रखा गया तो उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा ताकि हरिद्वार आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

जयंती पर याद किये गए भारत रत्न पंड़ित गोविंद बल्लभ पंत जी

138वीं जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने अर्पित किये श्रद्धासुमन

पथ प्रवाह हरिद्वार। भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी की 138वीं जयंती जनपद में धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने पहले पंत पार्क पहुंचकर पंत जी को माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी के चित्र पर पुष्प माला एवं श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रखर वक्ता एवं समाज सुधारक थे, जिनकी आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिलाधिकारी ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी का जन्म 10 सितंबर 1887 को अल्मोड़ा जिले के खूंट गांव में हुआ था, उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक और विधि की डिग्री हासिल की तथा स्वतंत्रता संग्राम में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। कॉलेज के दिनों से ही वह राजनीति में सक्रिय हो गए थे तथा गोपाल कृष्ण गोखले जैसे नेताओं से प्रभावित हुए। जिलाधिकारी ने कहा कि पंत जी के आधुनिक भारत के सपने को साकार करने के लिए सभी को अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा एवं ईमानदारी से करना है तथा समाज के अंतिम छोर में निवासरत व्यक्तियों तक सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है तथा इस दिशा में सभी को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। जिससे की प्रदेश एवं जनपद विकास एवं प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सके।

जनपद में सभी कार्यालयो एवं शिक्षण संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित कर पंत जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए तथा उनके जीवन वृतांत पर प्रकाश डाला गया। विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे ने पंत जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य नगर अधिकारी नगर निगम नंदन कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त दीपेंद्र सिंह नेगी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन पी आर चौहान, नगर मजिस्ट्रेट कुसुम चौहान, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत, मुख्य वैयक्तिक अधिकारी सुदेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद रहे।

भारत रत्न गोविन्द बल्लभ पंत जी की 138वीं जयंती पर हरिद्वार पुलिस दी श्रद्धांजलि

पथ प्रवाह हरिद्वार। भारत रत्न गोविन्द बल्लभ पंत जी की 138वीं जयंती पर हरिद्वार पुलिस ने श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल सहित अन्य अधिकारियों ने पुष्प और मालार्पण कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

गोविंद बल्लभ पंत की जी जयंती पर जनपद मुख्यालय पुलिस लाइन सहित जनपद के सभी थाना और चौकियों में कार्यक्रम आयोजित किये गए। एसएसपी ने इस दौरान अपने संबोधन में कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में गोविंद बल्लभ पंत जी ने अपना अहम योगदान दिया था। स्वतंत्र भारत में वह उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री बने। हमें उनके आदर्शों को अपना चाहिए। कहाकि पंड़ित गोविंद बल्लभ पंत जी के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी का जन्म 10 सितंबर 1887 को अल्मोड़ा जिले के खूंट गांव में हुआ था, उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक और विधि की डिग्री हासिल की तथा स्वतंत्रता संग्राम में उनकी

महत्वपूर्ण भूमिका रही। कॉलेज के दिनों से ही वह राजनीति में सक्रिय हो गए थे तथा गोपाल कृष्ण गोखले जैसे नेताओं से प्रभावित हुए।

सीडीओ आकांक्षा कोण्डे ने युवाओं के लिए प्रशिक्षण और रोजगार पर दिया जोर

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे की अध्यक्षता में बुधवार को एवरेस्ट कंपनी की सीएसआर प्रमुख मीनाक्षी डे और शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक का उद्देश्य सीएसआर कार्यों की समीक्षा और भविष्य की योजनाओं पर विचार करना रहा।

बैठक में कंपनी की ओर से बताया गया कि उनका मुख्य फोकस आजीविका गतिविधियों और व्यावसायिक प्रशिक्षण पर है। कंपनी कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को ज्वेलरी डिजाइनिंग, मोबाइल रिपेयरिंग, ब्यूटीशियन और इलेक्ट्रीशियन जैसे ट्रेड में प्रशिक्षण दे रही है। कंपनी वर्तमान में अपने प्लांट

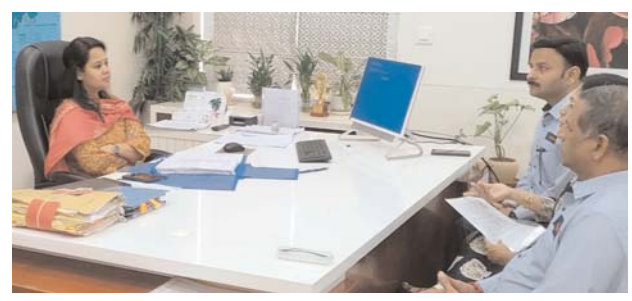

के 20 किलोमीटर के दायरे में आने वाले क्षेत्रों में यह कार्यक्रम चला रही है। सीडीओ आकांक्षा कोण्डे ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि इस दायरे में आने वाले विद्यालयों की सूची तैयार कर कंपनी को उपलब्ध कराई जाए। साथ ही महाप्रबंधक (जीआईसी) को भी निर्देश दिए गए कि वे सिडकुल इंडस्ट्रीज में किस प्रकार की कुशल मैनपावर की मांग है, इसका विवरण उपलब्ध कराएं। सीडीओ ने कहा कि प्रशिक्षण उसी दिशा में होना चाहिए जिसकी बाजार में आवश्यकता है, ताकि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित हो सकें।

एक नजर

हरिद्वार बाईपास परियोजना के लिए 15.46 करोड़ रुपये स्वीकृत: त्रिवेंद्र

पथ प्रवाह संवाददाता। सांसद हरिद्वार एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि हरिद्वार बाईपास परियोजना के अंतर्गत एनएच 334ए पर बड़े चौराहे को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए नई सड़कों (स्लिप रोड्स) के निर्माण के लिए 15.46 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि यह परियोजना न केवल ट्रैफिक जाम को कम करेगी और गाड़ियों की आवाजाही को सुगम व सुरक्षित बनाएगी, बल्कि हरिद्वार एवं आसपास के क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को भी नई गति देगी। प्रस्तावित कार्यों में मजबूत दीवारों का निर्माण किया जाएगा, जिससे सड़क लंबे समय तक टिकाऊ व सुरक्षित रहे। सुरक्षा बैरियर की स्थापना की जाएगी, ताकि दुर्घटनाओं का खतरा घटे। बरसात के पानी की निकासी की प्रभावी व्यवस्था बनायी जाएगी, जिससे सड़क पर जलभराव न हो। अन्य आवश्यक संरचनात्मक सुधार, जिनसे यात्रियों व स्थानीय नागरिकों को और अधिक सुविधा प्राप्त होगी। त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि यह परियोजना केवल सड़क निर्माण नहीं है, बल्कि उत्तराखंड के उज्ज्वल भविष्य की एक मजबूत नींव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में प्रदेश निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी एवं केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा का भी विशेष आभार व्यक्त किया।

पुलिस मॉडल स्कूल में लगा स्वास्थ्य शिविर, बच्चों और परिजनों ने कराया चेकअप

पथ प्रवाह हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार प्रमेंद्र सिंह डोबाल की पहल पर रिजर्व पुलिस लाइन रोशनाबाद हरिद्वार स्थित पुलिस मॉडर्न स्कूल में आरोग्या परियोजना के तहत पैनासोनिक लाइफ सोल्यूशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की एकीकृत स्वास्थ्य परियोजना द्वारा एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया।

इस शिविर का लाभ पुलिस मॉडर्न स्कूल के छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों, पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण एवं उनके परिवारजनों ने लिया। कुल मिलाकर लगभग 500 से अधिक लोगों ने इस स्वास्थ्य शिविर में प्रतिभाग किया। कैंप में विभिन्न रोगों से संबंधित जांचों के साथ-साथ निःशुल्क दवाइयाँ एवं चश्मे भी वितरित किए गए। कैंप की व्यवस्थाओं को देखकर सभी ने इसकी प्रशंसा की।

संपादकीय

नेपाल के सत्ता संघर्ष में संसद और सिंहासन को फूंका भीड़ ने

नेपाल बड़े राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। नेपाल का सत्ता संघर्ष, सरकार बदलने की निरंतरता और राजनीतिक दलों के बीच अविश्वास और सत्ता संघर्ष ने वहां लोकतंत्र को कमजोर कर दिया है। हाल ही में नेपाल में जिस तरीके से युवा सड़कों पर आ गए। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से त्रस्त युवा सोशल मीडिया को प्रतिबंधित कर देने की घटना से इतने उत्तेजित हो गए कि वह सड़कों पर उतरकर संसद भवन में घुस गए। संसद भवन,राष्ट्रपति भवन, तथा मंत्रियों के बंगलो को आग के हवाले कर दिया गया। नेपाल में कर्फ्यू लगाना पड़ा, पुलिस ने गोली चालान किया, जिसमें दो दर्जन से ज्यादा युवा मारे गए। उसके बाद भी नेपाल की जन क्रांति को नियंत्रित नहीं किया जा सका। नेपाल में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद, बेरोजगारी, महंगाई को लेकर इस कदर परेशान हो गई थी। वह राजनीतिक दलों के नेताओं एवं उनके परिवार जनों के खिलाफ सड़कों पर लड़ाई लड़कर अपने अधिकारों के लिये लड़ रही है। जिस ढंग से नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रियों को भागकर अज्ञातवास में जाना पड़ा। सेना को सत्ता सौंपने की बात नेपाल में होने लगी। देखते ही देखते एक झटके में नेपाल में सत्ता में परिवर्तन हो गया। इसने सभी को आश्चर्य में डाल दिया है। नेपाल की जन क्रांति ने इतिहास की रूसी जन क्रांति की याद दिला दी। 1917 में जार शासन के खिलाफ जनता ने विद्रोह कर जार शासको को मारकर सत्ता पर कब्जा जमा लिया था। रूस की जार क्रांति का नेतृत्व भीड़ कर रही थी। इस भीड़ का नेतृत्व लेनिन कर रहे थे। बाद में जनता ने उन्हें अपना नेता मान लिया। रूस की उस जन क्रांति के बाद रुस में कम्युनिस्ट विचारधारा की स्थापना हुई। सभी नागरिकों को समान अधिकार मिले। दोनों ही घटनाओं में जनता ने अपने अस्तित्व को बचाने सत्ता के केंद्रीकरण और जनता के बीच के असंतोष की झलक समान रूप से दिखाई देती है। भुखा-प्यासा आदमी अपने जीवन को बचाने के लिये किसी भी स्तर पर जा सकता है। इस भीड़ के सामने पुलिस और सेना ज्यादा देर टिक नहीं पाती है।

नेपाल का राजनीतिक परिदृश्य बीते दो दशकों से अस्थिरता से भरा है। राजशाही की समाप्ति के बाद से वहां लोकतंत्र मजबूत होने के बजाय दलगत स्वार्थ और गठबंधन की राजनीति और भ्रष्टाचार का शिकार होता चला गया। सत्ता के लिए बार-बार अनैतिक सत्ता परिवर्तन, नेताओं के निजी स्वार्थ हितों को सर्वोपरि रखना नेपाल में अराजकता का कारण बना। नेपाली नेताओं ने जनता के हितों की उपेक्षा की। जनता बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के कारण परेशान होती रही। राजनेताओं ने जनता कि मूलभूत सुविधाओं की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। नेपाली नेता भ्रष्ट तरीके से कमाई कर रहे थे, अपने बच्चों को विदेश में पढ़ा रहे थे। उनके बच्चे और परिवार के लोग ऐश कर रहे थे, जनता भुखमरी और बदहाली का जीवन जी रही थी। रूस के जार शासन के समय जनता भूख से मर रही थी। शाही परिवार और उससे जुड़े हुए लोग एश्वर्य पूर्ण जीवन जी रहे थे, उसका प्रदर्शन कर रहे थे। भूख, गरीबी और शोषण ने जनता को सड़कों पर उतरने को मजबूर किया। वहां की जनता भूख से इतनी प्रताड़ित थी कि उसने राज परिवार के हर सदस्य को महल में घुसकर मार डाला। जार शासको की सेना उन्हें नहीं बचा पाई। वही स्थिति वर्तमान में नेपाल की है। जब सरकार मैं बैठे लोग अपने आप को सर्वशक्तिमान मान लेते हैं, तब इस तरह की जन क्रांति सामने आती है। श्रीलंका, बाग्लादेश और नेपाल में हुए जन विद्रोह मैं एक सी समानता है। सत्ता से जुड़े हुए लोग जब जनता की उपेक्षा करते हैं। अपने जीवन को बचाए रखने के लिए भीड़ सड़कों पर आती है। लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास घटता है। ऐसी स्थिति में असंतोष भीड़ तंत्र के रुप में देखने मिलता है।

दुनिया के देशों को लोकतांत्रिक व्यवस्था है। उन्हें श्रीलंका, नेपाल की वर्तमान स्थिति को देखते हुए सबक लेना होगा। लोकतांत्रिक देशों के नेताओं को चाहिए, वह दलगत हितों से ऊपर उठकर स्थिर शासन की ओर कदम बढ़ाएं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता ही सरकार बनाती है। नेपाल, श्रीलंका बांग्लादेश की सत्ता में बैठे हुए लोगों को जिस तरह से भीड़ ने उन्हें देश छोड़ने के लिए विवश किया है। इस तरह की घटनाओं से सभी देशों को सबक लेने की जरूरत है। वर्तमान युग में जब सारी दुनिया डिजिटल तकनीकी और संचार माध्यमों के कारण एक दूसरे से जुड़ चुकी है। ऐसी स्थिति में आम जनता विशेष रुप से युवाओं को उपेक्षित करके नहीं रखा जा सकता है। रूस की जार क्रांति इतिहास में दर्ज है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल वर्तमान राजनीति एवं जन क्रांति की सच्चाई रेखांकित करती है।

मोहन भागवत जिन्होंने अपना पूरा जीवन समता-समरता और बंधुत्व को किया समर्पित

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

आज 11 सितंबर है। यह दिन अलग-अलग स्मृतियों से जुड़ा है। एक स्मृति 1893 की है, जब स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में विश्वबंधुत्व का संदेश दिया और दूसरी स्मृति है 9/11 का आतंकी हमला, जब विश्व बंधुत्व को सबसे बड़ी चोट पहुंचाई गई। आज के दिन की एक और विशेष बात है। आज एक ऐसे व्यक्तित्व का 75वां जन्मदिवस है जिन्होंने वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र पर चलते हुए समाज को संगठित करने, समता-समरसता और बंधुत्व की भावना को सशक्त करने में अपना पूरा जीवन समर्पित किया है।

संघ परिवार में जिन्हें परम पूजनीय सरसंघचालक के रूप में श्रद्धाभाव से संबोधित किया जाता है, ऐसे आदरणीय मोहन भागवत जी का आज जन्मदिन है।

यह एक सुखद संयोग है कि इसी साल संघ भी अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। मैं भागवत जी को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि ईश्वर उन्हें दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें।

मेरा मोहन भागवत जी के परिवार से बहुत गहरा संबंध रहा है। मुझे उनके पिता, स्वर्गीय मधुकरराव भागवत जी के साथ निकटता से काम करने का सौभाग्य मिला था। मैंने अपनी पुस्तक ज्योतिपुंज में मधुकरराव जी के बारे में विस्तार से लिखा भी है। वकालत के साथ-साथ मधुकरराव जी जीवनभर राष्ट्र निर्माण के कार्य में समर्पित रहे। अपनी युवावस्था में उन्होंने लंबा समय गुजरात में बिताया और संघ कार्य की मजबूत नींव रखी।

मधुकरराव जी का राष्ट्र निर्माण के प्रति झुकाव इतना प्रबल था कि अपने पुत्र मोहनराव को भी इस महान कार्य के लिए निरंतर गढ़ते रहे। एक पारसमणि मधुकरराव ने मोहनराव के रूप में एक और पारसमणि तैयार कर दी।

भागवत जी का पूरा जीवन सतत प्रेरणा देने वाला रहा है। वे 1970 के दशक के मध्य में प्रचारक बने। सामान्य जीवन में प्रचारक शब्द सुनकर ये भ्रम हो जाता है कि कोई प्रचार करने वाला व्यक्ति होगा, लेकिन जो संघ को जानते हैं उनको पता है कि प्रचारक परंपरा संघ कार्य की विशेषता है। गत 100 वर्षों में देशभक्ति की प्रेरणा से भरे हजारों युवक-युवतियों ने अपना घर-परिवार त्याग करके पूरा जीवन संघ परिवार के माध्यम से राष्ट्र को समर्पित किया है। भागवत जी भी उस महान परंपरा की मजबूत धुरी हैं। भागवत जी ने उस समय प्रचारक का दायित्व संभाला, जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने देश पर इमरजेंसी थोप दी थी। उस दौर में प्रचारक के रूप में भागवत जी ने आपातकाल-विरोधी आंदोलन को निरंतर मजबूती दी। उन्होंने कई वर्षों तक महाराष्ट्र के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों, विशेषकर विदर्भ में काम किया। 1990 के दशक में अखिल भारतीय शारीरिक प्रमुख के रूप में मोहन भागवत जी के कार्यों को आज भी कई स्वयंसेवक स्नेहपूर्वक याद करते हैं। इसी कालखंड में मोहन भागवत जी ने बिहार के गांवों में अपने जीवन के अमूल्य वर्ष बिताए और समाज को सशक्त करने के कार्य में समर्पित रहे।

20वीं सदी के आखिरी पड़ाव पर वे अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख बने। वर्ष 2000 में वे सरकार्यवाह बने और यहाँ भी भागवत जी ने अपनी अनोखी कार्यशैली से हर कठिन परिस्थिति को सहजता और सटीकता से संभाला।

2009 में वे सरसंघचालक बने और आज भी अत्यंत ऊर्जा के साथ कार्य कर रहे हैं। भागवत जी ने राष्ट्र प्रथम की मूल विचारधारा को हमेशा सर्वोपरि रखा। सरसंघचालक होना मात्र एक संगठनात्मक जिम्मेदारी नहीं है। यह एक पवित्र विश्वास है, जिसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी दूरदर्शी व्यक्तित्वों ने आगे बढ़ाया है और इस राष्ट्र के नैतिक और सांस्कृतिक पथ को दिशा दी है। असाधारण व्यक्तियों ने इस भूमिका को व्यक्तिगत त्याग, उद्देश्य की स्पष्टता और माँ भारती के प्रति अटूट समर्पण के साथ निभाया है। यह गर्व की बात है कि मोहन भागवत जी ने न केवल इस विशाल जिम्मेदारी के साथ पूर्ण न्याय किया है, बल्कि इसमें अपनी व्यक्तिगत शक्ति, बौद्धिक गहराई और सहृदय नेतृत्व भी जोड़ा है।

भागवत जी का युवाओं से सहज जुड़ाव है और इसलिए उन्होंने अधिक से अधिक युवाओं को संघ कार्य के लिए प्रेरित किया है। वे लोगों से प्रत्यक्ष संपर्क में रहते हैं, और संवाद करते रहते हैं। श्रेष्ठ कार्य पद्धति को अपनाने की इच्छा और बदलते समय के प्रति खुला मन रखना, ये मोहनजी की बहुत बड़ी विशेषता रही है। अगर हम व्यापक संदर्भ में देखते हैं तो संघ की 100 साल की यात्रा में भागवत जी का कार्यकाल संघ में सर्वाधिक परिवर्तन का कालखंड माना जाएगा। चाहे वो गणवेश परिवर्तन हो, संघ शिक्षा वर्गों में बदलाव हो, ऐसे अनेक महत्वपूर्ण परिवर्तन उनके निर्देशन में संपन्न हुए। कोरोना काल में मोहन भागवत जी के प्रयास विशेष रूप से याद आते है। उस कठिन समय में उन्होंने स्वयंसेवकों को सुरक्षित रहते हुए समाजसेवा करने की दिशा दी और टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ाने पर बल दिया। उनके मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने जरूरतमंदों तक हरसंभव सहायता पहुँचाई, जगह-जगह मेडिकल कैंप लगाए। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों और वैश्विक विचार को प्राथमिकता देते हुए व्यवस्थाओं को विकसित किया।

सदैव स्मरणीय रहेगा स्वामी विवेकानंद का शिकागो में दिया भाषण

योगेश कुमार गोयल

युवाओं के प्रेरणास्रोत तथा आदर्श व्यक्तित्व के धनी माने जाते रहे स्वामी विवेकानंद को उनके ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। सही मायनों में वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे। विशेषकर भारतीय युवाओं के लिए तो भारतीय नवजागरण का अग्रदूत उनसे बढ़कर अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। कोलकाता में 12 जनवरी 1863 को जन्मे स्वामी विवेकानंद अपने 39 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में समूचे विश्व को अपने अलौकिक विचारों की ऐसी बेशकीमती पूंजी सौंप गए, जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक समस्त मानव जाति का मार्गदर्शन करती रहेगी। वे एक ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिनकी ओजस्वी वाणी सदैव युवाओं के लिये प्रेरणास्रोत बनी रही। उन्होंने देश को सुदृढ़ बनाने और विकास पथ पर अग्रसर करने के लिए सदैव युवा शक्ति पर भरोसा किया। दरअसल युवा वर्ग से उन्हें बहुत उम्मीदें थी।

स्वामी विवेकानंद ने 11 सितम्बर 1893 को शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म पर अपने प्रेरणात्मक भाषण की शुरूआत 'मेरे अमेरिकी भाईयों और बहनों' के साथ की तो बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट होती रही। अपने उस भाषण के जरिये उन्होंने दुनियाभर में भारतीय अध्यात्म का डंका बजाया। विदेशी मीडिया और वक्ताओं द्वारा भी स्वामीजी को धर्म संसद में सबसे महान व्यक्तित्व और ईश्वरीय शक्ति प्राप्त सबसे लोकप्रिय वक्ता बताया जाता रहा। स्वामी विवेकानंद की चर्चा जब भी होती है तो अमेरिका के शिकागो की धर्म संसद में वर्ष 1893 में दिए गए उनके उस ओजस्वी भाषण की चर्चा अवश्य होती है। उसी ओजस्वी भाषण को यादगार बनाए रखने और युवाओं को उस भाषण के जरिये ऊर्जावान बनाए रखने के लिए ही प्रतिवर्ष 11 सितम्बर का दिन 'शिकागो वक्तृता दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यह स्वामी विवेकानंद का अद्भुत व्यक्तित्व ही था कि वे यदि मंच से गुजरते भी थे तो तालियों की गड़गड़ाहट होने लगती थी। युवाओं की अहम् भावना को खत्म करने के उद्देश्य से ही स्वामी विवेकानंद ने अपने एक भाषण में कहा था कि यदि तुम स्वयं ही नेता के रूप में खड़े हो जाओगे तो तुम्हें सहायता देने के लिए कोई आगे नहीं बढ़ेगा। इसलिए यदि सफल होना चाहते हो तो सबसे पहले अपने अहम् का नाश कर डालो। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए स्वामी विवेकानंद ने अनेक मूलमंत्र दिए, जो देश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उनका कहना था, ''ब्रह्मांड की सारी शक्तियां पहले से ही हमारी हैं। वो हम ही हैं, जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। मेरा विश्वास युवा पीढ़ी में है, आधुनिक पीढ़ी से मेरे कार्यकर्ता आ जाएंगे। डर से भागो मत, डर का सामना करो। यह जीवन अल्पकालीन है, संसार की विलासिता क्षणिक है लेकिन जो दूसरों के लिए जीते हैं, वे वास्तव में जीते हैं। जो भी कार्य करो, वह पूरी मेहनत के साथ करो। दिन में एक बार खुद से बात अवश्य करो, नहीं तो आप संसार के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति से मिलने से चूक जाओगे। उच्चतम आदर्श को चुनो और उस तक अपना जीवन जीयो। सागर की तरफ देखो, न कि लहरों की तरफ। महसूस करो कि तुम महान हो और तुम महान बन जाओगे। काम, काम, काम, बस यही आपके जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। धन पाने के लिए कड़ा संघर्ष करो पर उससे लगाव मत करो। जो गरीबों में, कमजोरों में और बीमारियों में शिव को देखता है, वो सच में शिव की पूजा करता है। पृथ्वी का आनंद नायकों द्वारा लिया जाता है, यह अमोघ सत्य है, अतः एक नायक बनो और सदैव कहो कि मुझे कोई डर नहीं है।

कर सुधार:आर्थिक नीति से सामाजिक न्याय

अजीत लाड़

भारत की राजनीति और अर्थनीति में कर सुधार हमेशा से एक संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण मुद्दा रहा है। लंबे समय तक जटिल कर ढांचे ने नागरिकों और कारोबारियों को उलझाए रखा। वैट, उत्पाद शुल्क और अनेक स्थानीय कर न केवल भ्रम पैदा करते थे बल्कि व्यापार की गति को भी बाधित करते थे। इस पृष्ठभूमि में 2017 में जीएसटी लागू हुआ, जिसने कर प्रणाली को एक राष्ट्र-एक कर-एक बाजार की दिशा दी। किंतु उसकी संरचना जटिल थी और बहु-स्लैब दरों ने कई बार विवाद और असुविधा उत्पन्न की। इसीलिए जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 56वीं जीएसटी परिषद की बैठक ने ÷नेक्स्टजेन जीएसटी सुधारों÷ की घोषणा की, तो यह केवल तकनीकी निर्णय नहीं बल्कि एक वैचारिक बदलाव भी था। इन सुधारों की सबसे बड़ी विशेषता है कि वे सीधे नागरिकों के जीवन को केंद्र में रखकर बनाए गए हैं। आवश्यक वस्तुओं को करमुक्त करना या न्यूनतम दर पर लाना केवल कर नीति नहीं बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में कदम है। दूध, दही, चावल, आटा और दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर कर छूट गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को राहत देती है। यह वही वर्ग है जो महंगाई की सबसे अधिक मार झेलता है और जिस पर पूर्ववर्ती सरकारों ने अक्सर अप्रत्यक्ष करों का बोझ डाला। यूपीए के दौर में जहाँ आटा, चावल और चाय जैसी आवश्यक वस्तुएँ भी कर के दायरे में थीं, वहीं आज मोदी सरकार ने उन्हें छूट देकर साफ कर दिया कि उसकी प्राथमिकता आम नागरिक का बोझ कम करना है। स्वास्थ्य क्षेत्र में उठाया गया कदम भी इसी दृष्टिकोण को दर्शाता है। जीवन और स्वास्थ्य बीमा को करमुक्त करना और जीवनरक्षक दवाओं पर जीएसटी शून्य करना यह दिखाता है कि सरकार केवल अर्थव्यवस्था के आँकड़ों से नहीं बल्कि लोगों के दुःख-दर्द से भी जुड़ी हुई है। पूर्ववर्ती सरकारें स्वास्थ्य को निजी हाथों में छोड़ कर कर्तव्य पूरा समझ लेती थीं, वहीं मोदी सरकार ने स्वास्थ्य सेवा को नागरिक अधिकार की तरह देखा है। कृषि सुधारों में भी यही सोच परिलक्षित होती है। किसान केवल वोट बैंक नहीं बल्कि राष्ट्र की रीढ़ हैं, यह दृष्टि भाजपा सरकार ने बार-बार अपने निर्णयों में साबित की है। ट्रैक्टर, सिंचाई उपकरण, खाद और कीटनाशकों पर कर दर कम करना केवल लागत घटाने का उपाय नहीं, बल्कि ग्रामीण समृद्धि और आत्मनिर्भरता का सूत्र है। पिछली सरकारें कृषि क्षेत्र को सब्सिडी तक सीमित रखती थीं, जबकि मोदी सरकार कर ढांचे में ही संरचनात्मक सुधार कर किसानों को स्थायी लाभ पहुंचा रही है। अवसंरचना और उद्योग जगत को भी यह सुधार नए अवसर देता है। सीमेंट पर कर दर घटाना घर बनाने वाले आम नागरिक से लेकर बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट तक सबके लिए राहत है। छोटे और मझोले उद्योगों (एमएसएमई) को सरल अनुपालन और तेज़ रिफंड प्रक्रिया उपलब्ध कराना वास्तव में उन्हें अर्थव्यवस्था का सशक्त स्तंभ मानने की नीति है। यहाँ तुलना आवश्यक है–पिछली सरकारें इस क्षेत्र को नियामकीय बोझ में दबाए रखती थीं, जबकि मोदी सरकार तकनीक जैसे एआई आधारित निगरानी का उपयोग कर पारदर्शिता और सुगमता दोनों ला रही है। कपड़ा और उर्वरक उद्योग, जो लंबे समय से उल्टे कर ढांचे की मार झेल रहे थे, अब जीएसटी युक्तिकरण से राहत पाएंगे। यह न केवल उद्योग के लिए प्रोत्साहन है बल्कि लाखों कामगारों के लिए भी स्थिरता और रोजगार का आधार है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने विभिन्न विकास योजनाओं हेतु 100 करोड़ की धनराशि की स्वीकृत

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों और विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से कुल 100 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने जनपद देहरादून के सहसपुर विधानसभा क्षेत्र में मिट्ठीबेरी-परवल मार्ग के चौड़ीकरण कार्य हेतु 12.3 करोड़ रुपये की योजना स्वीकृत की गई है। इसके साथ ही परवल से विज्ञान धाम झाझरा तक मार्ग चौड़ीकरण का कार्य भी शामिल है। जबकि विधानसभा कैन्ट क्षेत्र में वसंत विहार सोसाइटी के आंतरिक मार्गों का सुदृढ़ीकरण तथा क्षतिग्रस्त

मार्गों के सुधारीकरण हेतु 3.52 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन मार्गों में केशव रोड, नेशनल रोड, शिव कॉलोनी, द्रोणपुरी, प्रेमनगर चुंगी से मोहनपुर पावर हाउस तक मिलन विहार, रजत एन्कलेव और पार्क रोड शामिल हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने जनपद हरिद्वार में जिला कारागार के बैरक संख्या 01, 02 एवं 06 के प्रथम तल पर नई बैरकों के निर्माण हेतु 4.91 करोड़ रुपये तथा महिला बैरक के प्रथम तल पर नई बैरक के निर्माण हेतु 1 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। जनपद टिहरी में आयुर्वेदिक एवं यूनानी सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के तहत राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय मोल्यासेरा भवन निर्माण हेतु 2.89 करोड़ रुपये तथा राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय बंगियाल भवन निर्माण हेतु 2.50 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व बैंक पोषित अर्द्धनगरीय क्षेत्रों हेतु उत्तराखंड पेयजल कार्यक्रम के लिए राजस्व मद में 7 करोड़ रुपये एवं पूंजीगत मद में 67 करोड़ रुपये अवमुक्त करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

अवैध लिंग परीक्षण पर शिकंजा: पीसीपीएनडीटी एक्ट के नियमों को सख्ती से लागू करने के निर्देश

देहरादून। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी (एफआर) केके मिश्रा की अध्यक्षता में पीसीपीएनडीटी जिला सलाहकार समिति की बैठक हुई। जिसमें पीसीपीएनडीटी एक्ट का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान नवीन पंजीकरण हेतु 14 अल्ट्रासाउंड केंद्रों के आवेदनों को समिति के समक्ष रखा गया। जिस पर समिति द्वारा विस्तृत चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि अल्ट्रासाउंड केंद्रों के पंजीकरण एवं नवीनीकरण से पूर्व आवेदकों को उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र, भवन निर्माण हेतु एमडीडीए से प्राप्त एनओसी, अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था संबंधी प्रमाण पत्र और बायो मेडिकल वेस्ट एग्रीमेंट आवेदन के साथ प्रस्तुत करना अनिवार्य है। ऐसा न करने पर किसी भी केंद्र का पंजीकरण और नवीनीकरण नही किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि वांछित अभिलेख उपलब्ध न कराने पर किसी भी केंद्र

का पंजीकरण न किया जाए। अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिला निरीक्षण एवं मूल्यांकन समिति जनपद में संचालित सभी केंद्रों का नियमित निरीक्षण एवं समीक्षा करें। केंद्र पर नई मशीन लगाने पर इसकी जांच की जाए। जनपद के ऐसे विकासखंड जहां पर लिंगानुपात कम है वहां पर विशेष ध्यान रखें। अपर जिलाधिकारी ने कड़े शब्दों में कहा कि अल्ट्रासाउंड इस्तेमाल उपचार तक ही सीमित रहे। तकनीक का उपयोग जनहित के लिए हो, भ्रूण परीक्षण जैसे अनैतिक कार्य करने वालों को जिले में कोई जगह नही है। ऐसा कृत्य करते पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाए। इस दौरान तीन सेंटरों को दूसरे स्थान पर शिफ्ट करने की समिति द्वारा संस्तुति भी की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 199 केंद्र संचालित है, जिसमें 407 अल्ट्रासाउंड मशीन है। इसमें 09 केंद्रों का नवीनीकरण होना है। इसके अतिरिक्त 14 नए केंद्र संचालन हेतु आवेदन प्राप्त हुए है। जनपद में लिंगानुपात की जानकारी देते हुए सीएमओ ने बताया कि जनपद का लिंगानुपात 937 है। सबसे कम लिंगानुपात ब्लाक सहसपुर में है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 में सहसपुर में 873, रायपुर में 896, डोईवाला में 904, कालसी में 910, विकासनगर में 952 तथा चकराता में 1348 लिंगानुपात है। जिला निरीक्षण एवं मूल्यांकन समिति द्वारा सभी केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ मनोज कुमार शर्मा, पीसीपीएनडीटी के जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बिमलेश जोशी, संयुक्त निदेशक विधि जीसी पंचोली, अग्निशमन के डिप्टी डायरेक्टर एसके राणा, जिला चिकित्सालय के वरिष्ठ पैथोलॉजिस्ट जेपी नौटियाल, वरिष्ठ गायनोकॉलोजिस्ट डॉ शालिनी डिमरी, वरिष्ठ रेडियोलॉजिस्ट डॉ निखिल, जिला कार्यक्रम अधिकारी जितेन्द्र कुमार, जिला शासकीय अधिवक्ता जीपी रतूडी सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद थे।

दिव्यांगजनों को डीडीआरसी केंद्र तक आने जाने के लिए निःशुल्क वाहन सेवा शुरू

सर्वे चैक से गांधी शताब्दी अस्पताल तक, अब हर बुधवार, दिव्यांगों को मिलेगी नि :शुल्क वाहन सुविधा

देहरादून। देहरादून के गांधी शताब्दी जिला चिकित्सालय में राज्य का प्रथम जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) शुरू होने के बाद अब दिव्यांग एवं वृद्धजनों के लिए प्रत्येक बुधवार को निःशुल्क वाहन सेवा भी शुरू हो गई है। जिलाधिकारी सविन बंसल के प्रयासों से समाज कल्याण विभाग के माध्यम से दिव्यांगजनों के लिए यह सेवा शुरू की गई है। बुधवार को सर्वे चैक पर मानसिक दिव्यांग अदिति गर्ग के हाथों हरी झंडी दिखाकर इस निःशुल्क वाहन सेवा का शुभारंभ किया गया। पहले दिन 11 दिव्यांगजनों ने इस निःशुल्क वाहन सेवा का लाभ लिया। जिलाधिकारी ने कहा कि दिव्यांगजनों के जीवन को सरल बनाना, उन्हें सभी सुविधाएं मुहैया करना हम सबका दायित्व है। दिव्यांगजनों को एक प्लेटफार्म पर एकीकृत रूप में सारी सुविधाएं मिले, इस दिशा में दिव्यांगजनों के लिए डेडिकेटेड सेंटर जिला चिकित्सालय में खोला गया है। यहां पर दिव्यांगजनों को प्रमाण पत्र, यूडीआईडी कार्ड, आधार कार्ड, फिजियोथेरेपी, मनोवैज्ञानिक सलाह, इलाज और कृत्रिम उपकरण के साथ

ही रोजगार प्रशिक्षण जैसी सभी सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई गई है। दिव्यांगजनों को अब केंद्र तक आने जाने के लिए स्पेशल डेडिकेटेड वाहन भी तैनात किया गया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल ने बताया कि जिला समाज कल्याण विभाग के माध्यम से प्रत्येक बुधवार को दिव्यांगजनों हेतु सर्वे चैक से गांधी शताब्दी जिला चिकित्सालय देहरादून तक आने जाने हेतु निःशुल्क वाहन सुविधा उपलब्ध रहेगी। इस सेवा का उद्देश्य दिव्यांगजनों को उनके दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने एवं संबंधित चिकित्सीय कार्यों के लिए अस्पताल तक पहुँचने में सहूलियत प्रदान करना है। यह व्यवस्था जिला समाज कल्याण कार्यालय, देहरादून द्वारा सुनिश्चित की गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस वाहन सुविधा के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क नही लिया जाएगा। सुविधा वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजनों को प्रदान की गई है।

एक नजर

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने शहीद सैनिकों के आश्रितों को सरकारी सेवा का अवसर

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड के दो शहीद सैनिकों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर सरकारी सेवा प्रदान किए जाने का अनुमोदन दिया है। अनुमोदन के अनुसार, शहीद जगेन्द्र सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती किरन को समूह 'ग' के पद पर जिलाधिकारी कार्यालय, टिहरी में सेवायोजित किया जाएगा। वहीं शहीद आदर्श नेगी के भाई अभिषेक नेगी को समूह 'ग' के पद पर लोक निर्माण विभाग, नई टिहरी में नियुक्ति दी जाएगी। राज्य सरकार द्वारा भारतीय सेना एवं अर्द्धसैनिक बलों में उत्तराखण्ड के स्थायी निवासी शहीद सैनिकों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर सेवायोजित करने की नियमावली बनाई गई है। इसी नियमावली के तहत टिहरी जनपद के इन दोनों आश्रितों को नियुक्ति दी गई है।

सीएम ने दो शहीद सैनिकों के आश्रितों को सरकारी सेवा प्रदान किए जाने की स्वीकृति दी

देहरादून (ईएमएस)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दो शहीद सैनिकों के आश्रितों को सरकारी सेवा प्रदान किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा अनुमोदन प्रदान किए जाने के फलस्वरूप शहीद जगेन्द्र सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती किरन को समूह ग के पद पर जिलाधिकारी कार्यालय, टिहरी में और शहीद आदर्श नेगी के भाई श्री अभिषेक नेगी को समूह ग के पद पर अधीक्षण अभियन्ता, आठवां वृत्त, लोक निर्माण विभाग, नई टिहरी के कार्यालय में सेवायोजित किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा भारतीय सेना व अर्द्धसैनिक बलों के उत्तराखण्ड के स्थायी निवासी शहीद सैनिकों के आश्रितों को राज्याधीन सेवाओं में अनुकंपा के आधार पर सेवायोजित करने के लिए नियमावली निर्धारित है। इस नियमावली के तहत टिहरी गढ़वाल जिले में शहीद सैनिकों के उक्त दो आश्रितों को सेवायोजित किए जाने हेतु मुख्यमंत्री द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है।

एक पेड़ माँ के नाम थीम पर पौधारोपण एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

देहरादून (ईएमएस)। सरदार महिपाल राजेंद्र जनजातीय (पीजी) कॉलेज, साहिया की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने एक दिवसीय शिविर कार्यक्रम के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम थीम पर पौधारोपण एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में पूजा ने प्रथम, हेमंत ने द्वितीय एवं सोनिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, निबंध प्रतियोगिता में सोनिया ने प्रथम, अंबिका तोमर ने द्वितीय और प्रमिला ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर एक दिवसीय शिविर के दौरान एनएसएस स्वयंसेवियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम अधिकारी वरुण प्रसाद सेमवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन हमारा मौलिक कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए, साथ ही छात्रों ने पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने की शपथ ली।

भीम आर्मी एकता मिशन भारत में एक बहुजन सामाजिक संगठन : राहुल कुमार

देहरादून (ईएमएस)। भीम आर्मी एकता मिशन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल कुमार आजाद ने कहा है कि भीम आर्मी एकता मिशन भारत में एक बहुजन सामाजिक संगठन हैं। उन्होंने कहा कि यह संगठन जाति, धर्म, धन, सम्पत्ति या शक्ति को बढावा देने के लिए नहीं बना बल्कि स्वतंत्रता के लिए है। उन्होंने कहा कि झूठी अफवाहे फैलाने वालों पर संगठन कानूनी कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि मानवीय गरिमा में सुधार के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के मुद्दे पर कार्य करते हुए देश में सामाजिक व आर्थिक परिवर्तन करने के लिए बना हैं। आजाद ने कहा कि देश का प्रत्येक व्यक्ति अपने अधिकारों की रक्षा की उम्मीद संविधान से कर सकता हैं। उनका कहना है कि यह संगठन संविधान के अंतर्गत कार्य कर रहा हैं। इस दौरान भीम आर्मी एकता मिशन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल कुमार आजाद ने कहा है कि कुछ लोग आज कल उत्तराखण्ड में क्षेत्रवाद और जातिवाद फैलाने का काम कर रहें जब की इन चीजों से हटकर हमें प्रदेश की विकास के मुद्दों को एक साथ उठाकर अपनी लड़ाई लड़नी चाहिए जिस सें की हम एक सशक्त मजबूत प्रदेश का निर्माण कर सके।

जयंती पर कांग्रेस ने यूपी के प्रथम मुख्यमंत्री पं. गोविंद बल्लभ पंत को दी श्रद्धांजलि

देहरादून (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री व देश के चैथे गृहमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 138वीं जयंती के अवसर पर आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत को हिमालय का गौरव बताते हुए कहा कि अल्मोड़ा के दूर दराज के एक गांव में साधारण परिवार में जन्में पंडित गोविंद बल्लभ पंत उत्तराखंड के पहले व एकमात्र राजनेता हैं जिनको भारत सरकार ने भारत रत्न से विभूषित कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, सरदार पटेल के समकक्ष नेता थे जिन्होंने निस्वार्थ भाव से देश के स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी निभाई व देश के सबसे बड़े प्रांत उत्तरप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री बने और बाद में देश के गृहमंत्री बने।

नेत्रदान महादान उत्तरकाशी में स्वास्थ्य विभाग ने मनाया 40वां नेत्रदान पखवाड़ा

जागरूकता क्विज प्रतियोगिता में बच्चों ने लिया उत्साहपूर्वक भाग, विशेषज्ञों ने नेत्रदान के महत्व पर दी जानकारी

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। राष्ट्रीय अंधता निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तरकाशी जनपद में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 40वां नेत्रदान पखवाड़ा धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जनपदवासियों को नेत्रदान के महत्व से अवगत कराने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.एस. रावत ने बताया कि किसी भी उम्र का व्यक्ति मृत्यु के बाद नेत्रदान कर सकता है। चाहे वह चश्मा पहनता हो, मोतियाबिंद का रोगी हो या उसकी आंख का सफल ऑपरेशन हो चुका हो, फिर भी वह नेत्रदान करने के योग्य होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दान किए गए नेत्र कभी खरीदे या बेचे नहीं जाते।

डॉ. रावत ने आगे कहा कि गांव-गांव में दृष्टिमित्रज्ञ, एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से पंपलेट और बैनरों द्वारा प्रचार-प्रसार कराया जा रहा है ताकि आम जनता नेत्रदान के महत्व को समझ सके और अंधविश्वासों से दूर रहकर समाज की भलाई में योगदान दे सके।

नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए बुधवार को राजकीय कन्या इंटर कॉलेज उत्तरकाशी में ÷नेत्रदान महादान÷ विषय पर क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

इस अवसर पर डॉ. बिरेन्द्र सिंह पांगती, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि नेत्रदान से बढ़कर कोई दान नहीं है। एक व्यक्ति के नेत्रदान से दो लोगों के जीवन में उजाला लौट सकता है। उन्होंने कहा कि यह धारणा बिल्कुल निराधार है कि नेत्रदान करने वाला व्यक्ति अगले जन्म में अंधा जन्म लेता है। यह केवल अंधविश्वास है।

डॉ. आस्था रावत, नेत्र शल्यक जिला चिकित्सालय उत्तरकाशी ने बच्चों को विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि आंख निकालने की प्रक्रिया में केवल 10 से 15 मिनट का समय लगता है और इसमें चेहरे पर किसी प्रकार का निशान या विकृति नहीं रहती। मृत्यु के 6 घंटे के भीतर आंख निकाल ली जानी चाहिए। प्राप्त आंखें नेत्र बैंक में जांच और संशोधन के बाद 36 घंटे के भीतर खराब कॉर्निया वाले व्यक्ति के प्रत्यारोपण में उपयोग की जाती हैं।

उन्होंने बताया कि नेत्रदान करने हेतु प्रतिज्ञा फार्म जिला चिकित्सालय सहित सभी प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध हैं। कोई भी इच्छुक व्यक्ति यह संकल्प ले सकता है कि मृत्यु के बाद उसकी आंखें समाज के लिए समर्पित होंगी। कार्यक्रम में मौजूद स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि नेत्रदान महादान है और इससे न केवल किसी व्यक्ति की दृष्टि लौटती है बल्कि समाज में एक सकारात्मक संदेश भी जाता है।

यातायात पुलिस ने गर्भवती महिला को स्ट्रेचर से स्लाइडिंग जोन पार कर सुरक्षित पहुँचाया अस्पताल

नालूपानी स्लाइडिंग जोन पर दिखा मानवीय चेहरा, खतरे के बीच ड्यूटीरत पुलिस कर्मियों ने निभाई जिम्मेदारी

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर नालूपानी स्लाइडिंग जोन बुधवार को एक बार फिर जीवनरक्षक बन गया जब यातायात पुलिस कर्मियों ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए गर्भवती महिला को सुरक्षित जिला चिकित्सालय पहुँचाया। चिन्यालीसौड़ से एम्बुलेंस के माध्यम से उत्तरकाशी जिला अस्पताल लाई जा रही महिला नालूपानी के पास भूस्खलन के कारण फँस गई थी। जानकारी के अनुसार, इस दौरान मार्ग पूरी तरह बाधित था और एम्बुलेंस आगे नहीं बढ़ पा रही थी। हालात की गंभीरता को देखते हुए मौके पर मौजूद यातायात निरीक्षक संजय रौथाण के नेतृत्व में ड्यूटीरत पुलिस कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने महिला के परिजनों और स्वास्थ्य कर्मियों की मदद से स्ट्रेचर की व्यवस्था की और जोखिम भरे स्लाइडिंग जोन को पैदल पार कराया। पुलिस की तत्परता यहीं नहीं थमी। महिला को बिना देर किए यातायात पुलिस के सरकारी वाहन से देवीधार तक पहुँचाया गया, जहाँ से एम्बुलेंस ने उसे उत्तरकाशी जिला अस्पताल के लिए रवाना किया। स्थानीय लोगों ने इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस ने न केवल अपनी ड्यूटी निभाई बल्कि इंसानियत का भी परिचय दिया। उन्होंने समय पर गर्भवती महिला को अस्पताल पहुँचाकर उसकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई।

चारधाम यात्रा पटरी पर लौटने लगी, गंगोत्री धाम में श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू, यमुनोत्री मार्ग 13 सितम्बर से खुलेगा

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य बोले गंगोत्री धाम में सीमित श्रद्धालु भेजे जा रहे, यमुनोत्री यात्रा अगले सप्ताह से सुचारु

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। मानसून सीजन में आई आपदा के बाद उत्तरकाशी जनपद में चारधाम यात्रा को पुनः सुचारु बनाने की दिशा में प्रशासन ने तेज कदम उठाए हैं। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि धराली आपदा के बाद गंगोत्री धाम की यात्रा बीते दिन से नियंत्रित और सीमित संख्या में शुरू कर दी गई है। वहीं यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग के कई हिस्सों में क्षति होने के कारण वहां की यात्रा 13 सितम्बर से शुरू कराने का निर्णय लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर धरासू, नालूपानी, हेलगुगाड़ और डबरानी जैसे संवेदनशील स्थानों पर लगातार रुक-रुककर भूस्खलन हो रहा है। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन ने पर्याप्त मशीनरी और राहत दल तैनात कर दिए हैं। मार्ग की स्थिति को देखते हुए फिलहाल सीमित संख्या में ही श्रद्धालुओं को गंगोत्री धाम भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग जंगलचट्टी, बनास और फूलचट्टी में आपदा से क्षतिग्रस्त हुआ है। जंगलचट्टी में करीब 150 मीटर सड़क का हिस्सा ध्वस्त हुआ था, जहां सुरक्षित और समतलीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। इसी तरह बनास में लगभग 40 मीटर और फूलचट्टी के पास भी सड़क क्षतिग्रस्त हुई है। एनएच की ओर से इन स्थानों पर मरम्मत का कार्य 12 सितम्बर तक पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि 13 सितम्बर से यमुनोत्री धाम की यात्रा को दोबारा सुचारु किया जा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि अब तक 5 अगस्त तक गंगोत्री धाम में 6 लाख 68 हजार 365 श्रद्धालु और यमुनोत्री धाम में 5 लाख 85 हजार 237 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की कि वे जिला प्रशासन द्वारा जारी एसओपी का पालन करें ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। इस दौरान जिलाधिकारी ने धराली आपदा में राहत और बचाव कार्यों की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन लगातार निगरानी रखे हुए है और प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित सहायता पहुंचाई जा रही है।

एक नजर

उत्तरकाशी पुलिस ने धराली आपदा प्रभावितों को राहत सामग्री वितरित की

एसपी सरिता डोबाल के निर्देशन में पुलिस टीम पहुंची गांव, प्रभावित परिवारों से जानी कुशलक्षेम

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह,उत्तरकाशी। हर्षिल-धराली क्षेत्र में 5 अगस्त को आई भीषण प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे प्रभावित परिवारों को लगातार शासन-प्रशासन और सामाजिक संगठनों से राहत सामग्री मिल रही है। इसी कड़ी में उत्तरकाशी पुलिस ने बुधवार को धराली गांव पहुंचकर आपदा पीड़ितों से मुलाकात की और उन्हें आवश्यक उपयोग की वस्तुएं वितरित कीं। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी सरिता डोबाल के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार अपनी टीम के साथ धराली पहुंचे। यहां उन्होंने गांव के प्रभावित परिवारों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना और पुलिस-प्रशासन की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

इस दौरान प्रभावित परिवारों को हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड हरिद्वार के सौजन्य से प्राप्त राहत सामग्री वितरित की गई। इसमें कंबल, तिरपाल, जूते-चप्पल, बर्तन सहित कई आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं। पुलिस अधिकारियों ने पीड़ितों को आश्वस्त किया कि उनके पुनर्वास और मदद के लिए जिला प्रशासन व पुलिस हर स्तर पर तत्पर है। गौरतलब है कि 5 अगस्त को आई आपदा में धराली और आसपास के क्षेत्रों में भारी नुकसान हुआ था। कई मकान, दुकानें और खेत क्षतिग्रस्त हुए, जबकि लोगों को अपने परिजनों और आजीविका का भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। ऐसे समय में प्रशासन, पुलिस और विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा लगातार मदद पहुंचाना आपदा प्रभावितों के लिए बड़ी राहत साबित हो रहा है।

जयंती पर भारत रत्न स्वर्गीय पंडित गोविंद बल्लभ पंत को किया याद

देहरादून। उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद व नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं वह राज्य आंदोलनकारियों ने आज दून कचहरी परिसर शहीद स्मारक में भारत रत्न स्वर्गीय पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जयंती पर उन्हें याद कर भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर नेताजी संघर्ष समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल ने बताया कि भारत रत्न स्व. पंडित गोविंद बल्लभ पंत का जन्म 10 सितंबर 1887 को अल्मोड़ा के खुनट गांव में एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ।

उन्होंने देश की आजादी में अपनी अग्रणी और महत्वपूर्ण भूमिका रही, साथ ही वह कई बार जेल भी गए। वहीं उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार ने बताया की वह उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री भी रहे।

उत्तरकाशी जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने अधिकारियों को दिया सख्त संदेश लोगों की समस्याओं का तत्काल निस्तारण हो

प्रशासन का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना है, टालमटोल बर्दाश्त नहीं

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य हमेशा जनता की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी निस्तारण करना है। बुधवार को अपने कार्यालय में आए लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि कोई भी नागरिक कार्यालय में समस्या लेकर आए तो उसका समाधान तत्काल किया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि समस्याओं को टालना या लापरवाही करना बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि किसी मामले का तुरंत समाधान संभव न हो, तो पीड़ित को एक निश्चित समय सीमा बताई जाए और उसी अवधि में समस्या का निस्तारण किया जाए। मोरी

विकासखंड के ग्राम सुनकंडी से जुड़े मामलों पर जिलाधिकारी ने विशेष ध्यान दिया। गांव में संचालित आंगनवाड़ी केंद्र की जीर्ण-शीर्ण हो चुकी छत और पानी टपकने की समस्या को लेकर उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि तत्काल निरीक्षण करें और केंद्र को नई बिल्डिंग में शिफ्ट करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। इसके अलावा, गांव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय की टिन की घेरवाड़ जर्जर होने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने जिला शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) को निर्देश दिया कि वे मौके पर निरीक्षण कर वस्तुस्थिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। चिन्यालीसौड़ विकासखंड के खादाडा गांव निवासी सुमन प्रसाद ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि बनचौरा-बनगांव मोटर मार्ग पर हुए भूस्खलन से उनके भवन को क्षति पहुंची है और मार्ग अवरुद्ध हो गया है। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित तहसीलदार को एसडीआरएफ मानकों के अनुसार राहत उपलब्ध कराने के आदेश दिए। साथ ही, मार्ग को सुरक्षित बनाने के लिए पीडब्ल्यूडी को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा कि हर विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कार्यालय में आने वाला हर नागरिक सम्मान के साथ अपनी बात रख सके और उसकी समस्या का समाधान प्राथमिकता से किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन जनता की सेवा के लिए है और आने वाले समय में किसी भी तरह की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन पूरी तरह से लोगों के साथ खड़ा है और हर समस्या का त्वरित समाधान करने के लिए तत्पर है।

जिले में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई भारत रत्न पं. गोविंद बल्लभ पंत की 138वीं जयंती

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने प्रतिमा पर अर्पित किए पुष्प, कहा पंत जी के आदर्श आज भी प्रासंगिक

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। भारत रत्न स्व. पं. गोविंद बल्लभ पंत की 138वीं जयंती जिले में बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने पंत जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर एसडीएम देवानन्द शर्मा सहित कलेक्ट्रेट के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा कि पं. गोविंद बल्लभ पंत न केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि वे कुशल प्रशासक, प्रभावी वक्ता

और तर्कशक्ति के धनी भी थे। उन्होंने उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में राष्ट्रहित में अनेक दूरगामी निर्णय लिए। कुली बेगार प्रथा की समाप्ति, कृषि सुधारों और जमींदारी उन्मूलन जैसे सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तनकारी कदम उनके दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम थे। डीएम ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में पं. पंत ने अग्रणी भूमिका निभाई और देश को नई दिशा प्रदान की। उनका जीवन त्याग, संघर्ष और आदर्शों से परिपूर्ण रहा। आज पूरा देश उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण कर रहा है। उनके विचार और योगदान आज भी समाज को मार्गदर्शन देने वाले हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि पंत जी के आदर्शों को आत्मसात करना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकारी-कर्मचारियों ने एक स्वर से पं. गोविंद बल्लभ पंत के योगदान को नमन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

नेपाल में हालात के मद्देनज़र पिथौरागढ़ पुलिस अलर्ट मोड पर

पथ प्रवाह, जीवन सिंह बोहरा,पिथौरागढ

नेपाल में उत्पन्न हिंसक परिस्थितियों के चलते पिथौरागढ़ पुलिस ने पूर्ण सतर्कता के साथ अलर्ट मोड पर कार्य शुरू कर दिया है। जनपद की अंतर्राष्ट्रीय सीमा को सुरक्षित बनाने हेतु कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक रेखा यादव के निर्देशन और पुलिस उपाधीक्षक गोविन्द बल्लभ जोशी (पिथौरागढ़) एवं के.एस. रावत (धारचूला) के पर्यवेक्षण में पुलिस बल और सशस्त्र सीमा बल (स्स्क्र) की संयुक्त गश्त व निगरानी लगातार जारी है। संवेदनशील स्थानों, झूला पुलों और सीमा क्षेत्र में विशेष चौकसी रखी जा रही है। इसी क्रम में थानाध्यक्ष जाजरदेवल मनोज पाण्डे

के नेतृत्व में पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने भारत-नेपाल सीमा पर ध्याण से मड़सौन तक गश्त की। पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय जनता से भी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने और किसी भी असामान्य गतिविधि की जानकारी तुरंत देने का आग्रह किया है।

हमें पण्डित जी के सिद्धांतो को अपनाकर कार्य करने होंगे: जिलाधिकारी

जीवन सिंह बोहरा पिथौरागढ़। जनपद में भारत रत्न पण्डित गोविन्द बल्लभ पन्त जी की 138 वी जयंती जनपद के घंटाकरण मे पन्त स्मारक मे धूमधाम से मनाई गई। मुख्य कार्यक्रम पन्त स्मारक मे आयोजित हुआ इस अवसर पर जिलाधिकारी पिथौरागढ़ विनोद गिरि गोस्वामी, उपजिलाधिकारी मनजीत सिंह, पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका राजेंद्र रावत एवं संयोजक पन्त फाउंडेशन/पूर्व दर्जा राज्यमंत्री महेन्द्र सिंह लुठी के अलावा अधिकारी,जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय आम जनमानस ने पंडित गोविन्द बल्लभ पन्त जी के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्प अर्पित कर उन्हें याद करते हुए श्रदांजलि दी गई।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी विनोद गिरि गोस्वामी ने पण्डित जी को याद करते हुए कहा कि पण्डित जी द्वारा शिक्षा, चिकित्सा के विकास हेतु अनेक कार्य किए गए जिसके चलते आज उनके नाम पर उत्तराखंड समेत देश मे भी शैक्षणिक एवम् चिकित्सा के संस्थान स्थापित है। उन्होंने कहा कि हमें पण्डित जी के सिद्धांतो को अपनाकर कार्य करने होंगे। इस दौरान माननीय अध्यक्ष जिला पंचायत

जितेन्द्र प्रसाद एवं मेयर नगर निगम कल्पना देवलाल ने भी पण्डित जी द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में संयोजक पन्त फाउंडेशन महेन्द्र सिंह लूंठी, पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका राजेंद्र रावत द्वारा पण्डित जी को याद करके हुए अपने विचार व्यक्त किए गए।

तत्पश्चात नगर निगम सभागार में उत्तराखंड स्वतंत्रता सेनानी एवं उत्तराधिकारी संगठन द्वारा भारत रत्न पण्डित गोविन्द बल्लभ पन्त जी की 138 वी जयंती आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों, सांस्कृतिक, चिकित्सा, शिक्षा एवम् विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नागरिकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस दौरान खेल विभाग की ओर से क्रॉस कंट्री दौड़ के विजेताओ को सम्मानित किया गया। विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राओं द्वारा रामलीला मैदान से प्रभात फेरी निकाली गई जिसका समापन घंटकरण मे पन्त स्मारक पर हुआ एवं नगर निगम सभागार में विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राओं के मध्य निबंध एवम् भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया ।

पिथौरागढ़-वड्डा-झूलाघाट मोटर मार्ग पर परिवहन विभाग का सघन चेकिंग अभियान - 38 चालान, 3 वाहन सीज

जीवन सिंह बोहरा पिथौरागढ़। जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी के निर्देशन के क्रम में सड़क सुरक्षा नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित कराने हेतु परिवहन विभाग द्वारा निरंतर विशेष चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज को एआरटीओ (प्रवर्तन) शिवांश कांडपाल के नेतृत्व में पिथौरागढ़-झूलाघाट मोटर मार्ग पर वड्डा तथा आसपास के क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।

टैक्सी संचालकों द्वारा विभाग को शिकायत दी गई थी कि मार्ग पर कुछ वाहन अवैध कागजातों के साथ संचालन कर रहे हैं। इस आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान सभी वाहनों की फिटनेस, टैक्स, इंश्योरेंस, परमिट एवं पॉल्यूशन सर्टिफिकेट की गहन जांच की गई।

जांच में कई वाहनों में अनियमितताएं पाई गईं, जिन पर कार्यवाही करते हुए कुल 38 चालान किए गए। साथ ही, टैक्स बकाया एवं फिटनेस प्रमाणपत्र न होने के कारण 3 वाहनों को सीज किया गया।

अभियान के दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालाने वालों के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की गई और चालान के साथ-साथ उनके लाइसेंस तीन माह के लिए निलंबित कर दिए गए। साथ ही, ओवरलोडिंग की समस्या पर भी विशेष ध्यान दिया गया और नियम उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की गई। एआरटीओ (प्रवर्तन) शिवांश कांडपाल ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि सुरक्षित यात्रा हेतु वाहन संचालन से पूर्व सभी आवश्यक दस्तावेज पूरे रखें और यातायात नियमों का पालन करें। इस प्रवर्तन कार्यवाही में प्रवर्तन अधिकारी महेन्द्र सिंह नेगी के नेतृत्व में इंटरसेप्टर दल तथा प्रवर्तन सिपाही सीमा, अमित, अजय, मीना, बलदेव और महेन्द्र शामिल रहे।

टेबल-टेनिस और क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता में सिमरन, युवराज, आरती, माया, जीवन और कपिल ने दिखाई धमाकेदार खेल क्षमता

पथ प्रवाह, जीवन सिंह बोहरा

पिथौरागढ़। सुरेन्द्र सिंह वल्दिया स्पोर्ट्स स्टेडियम, टकाना में खेल निदेशालय उत्तराखण्ड के सौजन्य और जिला प्रशासन पिथौरागढ़ के मार्गदर्शन में भारत रत्न पं0 गोविंद बल्लभ पंत जी के जन्म दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय टेबल-टेनिस और क्रॉस कंट्री प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

टेबल-टेनिस प्रतियोगिता के दूसरे दिन कुल 35 मुकाबले खेले गए। ओपन बालिका वर्ग में सिमरन लोहिया ने सुमन को 3-0 से, अण्डर-17 बालिका वर्ग में सिमरन ने भावना धपोला को 3-1 से, अण्डर-17 बालक वर्ग में युवराज ने साहिल को 3-1 से और अण्डर-15 बालिका वर्ग में आरती लोहिया ने भावना धपोला को 3-2 से हराकर जीत दर्ज की। प्रतियोगिता अण्डर-11, अण्डर-13, अण्डर-15, अण्डर-17 और ओपन वर्गों में खेली जा रही है, जिसमें जिले के 60 से अधिक खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। निर्णायक मंडल में देवांग जोशी, धर्मेन्द्र सिंह टोलिया, प्रगति कर्नाटक, प्रियंका, प्रवीन बिष्ट और दीपक सिंह शामिल थे।

क्रॉस कंट्री दौड़ में भी धमाका

दूसरे ही दिन जिला स्तरीय क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन हुआ, जिसमें स्टेडियम खेल मैदान से प्रारम्भ होकर चौराहों और कलेक्टेट रोड के मार्ग से दौड़ पूरी हुई। इसमें 156 बालक-बालिकाओं ने भाग लिया।

विजेताओं की सूची

ओपन बालिका- माया राय (1), काजल (2), पलक भट्ट (3), दिया कठायत (4), जया बिष्ट (5), अंशीक राणा (6)

ओपन बालकः जीवन सिंह सौन (1), नितिन थापा (2), अंकेश सिंह (3), रितिक गढ़िया (4), तनुज मेहता (5), लक्की कुँवर (6)

अण्डर-18 बालक- कपिल धामी (1), आशीष उप्रेती (2), सुमित जोशी (3), वरूण साही (4), कमल सिंह (5), सुजल कुमार (6)

अण्डर-14 बालक- विनय सिंह (1), साहिल कुमार (2), अमन गिरी (3), पंकज सिंह महरा (4), भावेश उपाध्याय (5), हार्दिक तिवारी (6)

अण्डर-14 बालिका- नव्या (1), कृतिका खेंनार (2), प्रियांशी (3), वर्खा (4), भूमिका ऐर (5), साक्षी (6) विजेताओं को नगर निगम हॉल में मेयर कल्पना देवलाल और कांग्रेस जिला अध्यक्ष अंजू लुंठी द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।

इस अवसर पर खेल प्रेमियों और अधिकारियों की बड़ी संख्या मौजूद रही, जिनमें प्रताप सिंह, कै0 देवी चंद, राजेन्द्र सिंह जेठी, ललित मोहन जोशी, जर्नादन सिंह वल्दिया, मनोज पुनेठा, प्रकाश जंग थापा समेत अन्य शामिल थे।

रुद्रपुर में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा करते कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी

पथ प्रवाह, संवाददाता

उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज रुद्रपुर कलेक्ट्रेट में जनपद के विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक से पहले मंत्री ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

बैठक के दौरान मंत्री गणेश जोशी जोशी ने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि काशीपुर के आरओबी कार्य शीघ्र पूर्ण करें तथा महाराणा प्रताप चौक से रामनगर तक की सड़क एवं अन्य मार्गों की मरम्मत मानसून के बाद तुरंत कराई जाए। उन्होंने एनएच और लोनिवि के कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने

का भी आदेश दिया।

विद्युत विभाग को मंत्री गणेश जोशी ने निर्देश दिए कि सार्वजनिक स्थानों और विद्यालयों के आस-पास लटकती तारों को तुरंत ठीक किया जाए। विकास प्राधिकरण को उन्होंने जनप्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श करने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन योजना की समीक्षा करते हुए अधीक्षण अभियंता पेयजल निगम को पाईपलाइन बिछाने और सड़क समस्याओं के निस्तारण के लिए अपने अधीनस्थों और ठेकेदारों को कड़ाई से निर्देश देने को कहा।

मंत्री गणेश जोशी ने अनुपस्थित रहने वाले प्रभारी जिला पूर्ति अधिकारी का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए और मनरेगा के भुगतान समयानुसार सुनिश्चित करने को कहा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और अन्य विभागों जैसे उद्यान, अमृत सरोवर, जल संस्थान की प्रगति की भी समीक्षा की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, विधायक शिव अरोरा, तिलक राज बेहड़, मेयर विकास शर्मा, दर्जा राज्यमंत्री उत्तम दत्ता, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बीआरपी-सीआरपी अभिमुखीकरण कार्यक्रमः शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने शुरू किया तीन दिवसीय प्रशिक्षण

पथ प्रवाह, संवाददाता

समग्र शिक्षा परियोजना के अंतर्गत ब्लॉक रिसोर्स पर्सन (बीआरपी) और क्लस्टर रिसोर्स पर्सन (सीआरपी) का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज एससीईआरटी सभागार में शुरू हुआ। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि बीआरपी और सीआरपी विद्यालय और विभाग के बीच सेतु का काम करेंगे और शिक्षा को रोचक बनाने में भी योगदान देंगे।

डॉ. रावत ने बताया कि प्रदेश में समग्र शिक्षा के तहत रिक्त चल रहे 955 बीआरपी-सीआरपी पदों पर आउटसोर्स के माध्यम से भर्ती की गई है। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया मेरिट आधारित रही और इसमें नियमानुसार आरक्षण भी लागू किया गया। मंत्री ने चयनित अभ्यर्थियों से अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने की अपेक्षा जताई।

प्रशिक्षण के प्रथम दिन एससीईआरटी निदेशक वंदना गर्ब्याल ने बीआरपी को उनके कार्यों और स्कूलों में विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। समग्र शिक्षा के एपीडी कुलदीप गैरोला ने बताया कि बीआरपी का मुख्य कार्य स्कूल, शिक्षक और छात्रों को अप्रत्यक्ष सहयोग प्रदान करना है। इस अवसर पर अपर निदेशक पदमेन्द्र सकलानी, उप परियोजना निदेशक अजीत भंडारी, बी.पी. मंदोली और आउटसोर्स एजेंसी अलंकित के स्टेट हेड मोहर सिंह भी उपस्थित रहे।

विशेष सूचनाः कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रदेशभर के 5,16,569 छात्र-छात्राओं के खातों में डीबीटी के माध्यम से निःशुल्क गणवेश की धनराशि उपलब्ध कराई।

एक नजर

रास्ता भटकने वाली वृद्धा को पुलिस ने सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया

पथ प्रवाह, संवाददाता जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़

चौकी प्रभारी एंचोली उपनिरीक्षक कमलेश जोशी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गश्त के दौरान गोमती देवी (पत्नी स्व. गंगा सिंह) को चम्पावत ऐचोंली तिराहे के पास घूमते हुए पाया। वृद्धा ने बताया कि वे रास्ता भटक गई हैं और उनकी आँखों से कम दिखाई देता है। पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उनके पते की जानकारी प्राप्त की और उनके पुत्र मंगल सिंह को मौके पर बुलाया। इसके बाद गोमती देवी को सकुशल उनके पुत्र के सुपुर्द किया गया। पुलिस ने कहा कि समय पर की गई यह कार्रवाई वृद्धा की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण रही।

नारायण नगर में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर संगोष्ठी और भाषण प्रतियोगिता आयोजित

पथ प्रवाह, जीवन सिंह बोहरा,पिथौरागढ़। संत नारायण स्वामी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नारायण नगर में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. पंकज कुमार भट्ट ने की, जबकि संचालन डॉ. विवेक आर्या ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की मनोविज्ञान छात्रा काजल द्वारा भूमिका प्रस्तुत करने से हुआ। इसके पश्चात भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। निर्णायक मंडल में डॉ. सारिका वर्मा और डॉ. मनोज कुमार सम्मिलित रहे। प्रतियोगिता परिणामः प्रथम स्थानः खुशी मेहता (एम.ए. प्रथम सेम., राजनीति विज्ञान) द्वितीय स्थानः योगेन्द्र (बी.ए. प्रथम सेम.) तृतीय स्थानः रिद्धिमा (बी.ए. प्रथम सेम.) और मो. अनस (बी.एससी. प्रथम सेम.) समापन सत्र में प्राचार्य डॉ. सुधीर तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आत्महत्या जैसे संवेदनशील विषय पर प्रकाश डाला और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में डॉ. सुधीर कुमार तिवारी, डॉ. शुभम, डॉ. दिनेश कोहली सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा की नव नियुक्त टीम ने मां गंगा की पूजा-अर्चना की

पथ प्रवाह, संवाददाता। भाजपा जिला हरिद्वार के नव नियुक्त जिला पदाधिकारियों ने जिला अध्यक्ष अशुतोष शर्मा के नेतृत्व में हर की पैड़ी पर पतित पावनी मां गंगा की पूजा-अर्चना की और उनकी आरती कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर श्री गंगा सभा (रजि.) हरिद्वार के अध्यक्ष नितिन गौतम, महामंत्री तनमय वशिष्ठ, सभापति कृष्ण कुमार शर्मा एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने सभी जिला पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए मां गंगा का प्रसाद वितरित किया और उन्हें शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ मां गंगा की आरती में भाग लिया।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालयः 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन–249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई– www.pathpravah.com